नागरी बुलेटिन

त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका

अंक 08 (अक्टूबर – दिसंबर 2023)

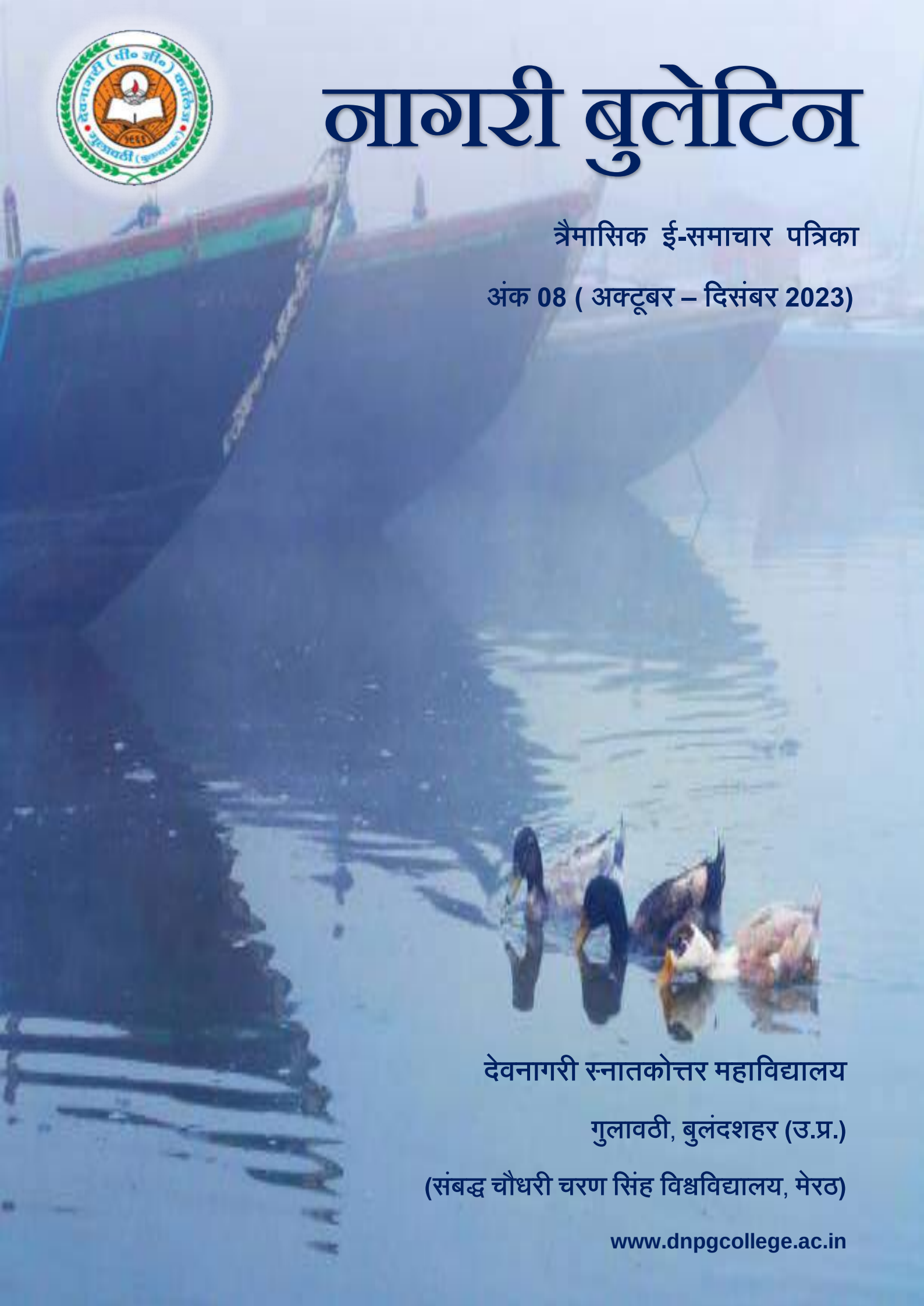

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय

गुलावठी, बुलंदशहर (उ.प्र.)

(संबद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)

www.dnpgcollege.ac.in

संरक्षक

प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी (प्राचार्य)

नागरी बुलेटिन एक त्रैमासिक ई-समाचार पत्रिका है जिसे देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, जनपद बुलंदशहर द्वारा जारी किया जाता है।

© देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी 2023
सर्वाधिकार सुरक्षित।

Designed and Prepared By

Bhavnit Singh Batra, Assistant Professor (Economics)

Institutional Head

Shri Narendra Kumar

President, College Management Committee

Prof. Yougesh Kumar Tyagi

Principal

College Faculty

Mr. Atul Tomar

Assistant Professor

Department of Mathematics

Dr. Vinita Garg

Assistant Professor

Department of Chemistry

Dr. Mahendra Kumar

Assistant Professor

Department of English

Dr. Pushpendra Kumar Mishra

Assistant Professor

Department of Political Science

Dr. Awadhesh Kumar Singh

Assistant Professor

Department of Physical Education

Mr. Peeyush Tripathi

Assistant Professor

Department of Political Science

Mr. Haridutt Sharma
Assistant Professor
Department of Sanskrit

Mr. Bhavnit Singh Batra
Assistant Professor
Department of Economics

Mr. Sandeep Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Hindi

Dr. Vinay Kumar Singh
Assistant Professor
Department of Chemistry

Mr. Naresh Kumar
Assistant Professor
Department of Physics

Mr. Navin Tomar
Assistant Professor
Department of Physical Education

Mr. Krishna Kumar
Assistant Professor
Department of Sociology

Dr. Harish Kumar Kasana
Assistant Professor
Department of Hindi

Mr. Shashi Kapoor
Assistant Professor
Department of Sociology

Mr. Shyam Prakash
Assistant Professor
Department of Mathematics

Mr. Amit Kumar
Lecturer
M.A. Economics (Self-Finance)

समाचार

'Swachhanjali' (cleanliness tribute) to 'Bapu' on the occasion of his 154th birth anniversary

01 October 2023

एक नजर

देवनगरी महाविद्यालय में हुआ स्वच्छांजलि का आयोजन

गौरव शर्मा उजाला हितेषी एक्सप्रेस

गुलावठी। सांस्कृतिक परिषद तथा राजनीति विज्ञान विभाग, देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी के तत्वावधान में एक तारीख एक घंटे की थीम पर आधारित स्वच्छांजलि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सफाईकर्मी राकेश कुमार तथा विक्रांत को प्राचार्य प्रो योगेश कुमार त्यागी द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा की गांधी जी के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम कतार पर खड़े व्यक्ति तथा श्रमजीवियों के उत्थान तथा सम्मान से ही समाज को समावेशी बनाया जा सकता है। सफाईकर्मियों को सम्मानित करने के क्रम में प्राचार्य सहित सभी प्राध्यापकों ने परिसर की साफ सफाई की तथा "वैष्णव जन तो तेने कहिएङ्ख." तथा रामधुन भजन का गायन किया। इस अवसर पर डॉ. महेंद्र कुमार, डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, पीयूष त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, भवनीत सिंह बत्रा, डॉ. संदीप कुमार सिंह, डॉ. विनय कुमार सिंह, नरेश कुमार, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, शशि कपूर, श्याम प्रकाश तथा एनएसएस स्वयं सेवक अनुज कुमार, पप्पू पाल तथा अनुज अंबेडकर उपस्थित रहे।

International Non-Violence Day celebration

02 October 2023

देवनागरी महाविद्यालय में हुआ अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन

गौरव शर्मा उजाला हितेषी एक्सप्रेस गुलावठी।

देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर में राजनीति विज्ञान विभाग तथा सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित महाविद्यालय में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 आमना मिर्जा ने बताया कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाए गए स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। गांधी के सद्प्रयासों के करण ही औपनिवेशिक शासन के दौरान महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया अनवरत चलती रही। गांधी जी ने स्त्री और पुरुष को परस्पर विरोधी ना मानते हुए एक दूसरे का पूरक माना तथा देश के विकास में दोनों के सक्रिय सहयोग की कामना की। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि गांधीजी वर्तमान सदी के सबसे बड़े आदर्श हैं तथा विश्व में शांति स्थापित करने की दिशा में गांधी जी के विचार निर्णायक साबित हो सकते हैं कार्यक्रम के संयोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्र ने गांधी जी की अहिंसा को "मनसा, वाचा, कर्मणा हिंसा का भाव ना रखना" के रूप में परिभाषित किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के सामाजिक ढांचे में जेंडर आधारित विषमताओं की जड़ें काफी गहरी तथा स्थाई स्वरूप की हैं। जेंडर आधारित ये विषमताएं मूल रूप से पितृ सत्तात्मक परंपराओं की देन हैं। और पितृसत्तात्मकता का यही ढांचा लिंग आधारित हिंसा को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाता है। ऐसी हिंसा को समाप्त करने में गांधी जी के विचार मार्गदर्शन की भूमिका निभा सकते हैं। वेबीनार में मुख्य वक्ता का [illegible] प्रश्नोत्[illegible] का आ[illegible] त्रिपाठी [illegible] कि कुमार सिंह ने धन्यवाद [illegible] प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ0 विनीता, डॉ0 महेंद्र कुमार, डॉ0 अवधेश कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, भवनीत सिंह बत्रा, कृष्ण कुमार, नरेश कुमार, डॉ0 विनय कुमार सिंह, नवीन तोमर व कृष्ण कुमार सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

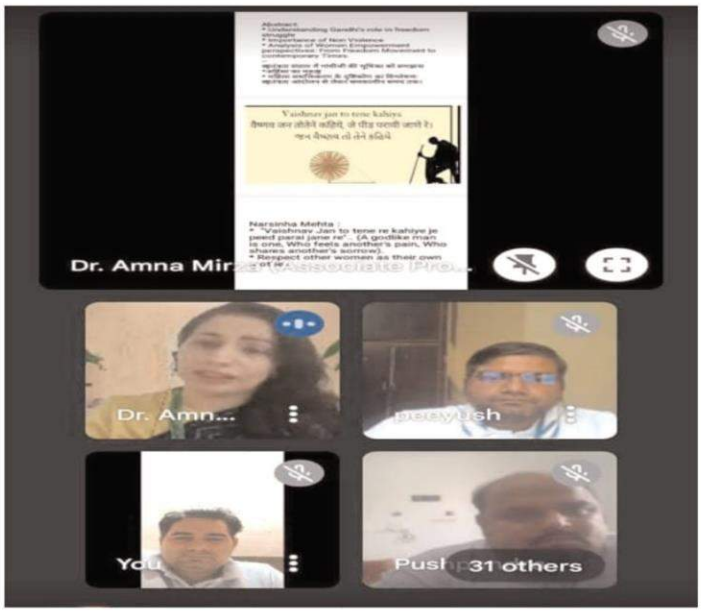

4 / 6

One Day seminar organized by Dept. of Chemistry on the topic 'Use of Chemistry in Daily life'

05 October 2023

रसायन विज्ञान विभाग में किया गया एक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। डी.एन.पीजी कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में मेरठ कॉलेज, मेरठ की केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर डॉक्टर सीमा ने व्याख्यान दिया। इसमें उन्होंने विद्यार्थियों को आज के जीवन में रसायन विज्ञान के महत्व को समझाया और उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से रसायन विज्ञान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। नई शिक्षा नीति के अनुसार रसायन विज्ञान को एक अधिक प्रामाणिक विषय के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी जी ने भी विद्यार्थियों को अपने अध्ययन के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं के महत्व को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत उपयोगी बताया। रसायन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता गर्ग ने विद्यार्थियों को अपने अध्ययन में नए शोधों को सम्मिलित करके अपने अध्ययन को और अधिक प्रामाणिक बनाने पर बल दिया ।प्रयोगशाला में प्रयोग करके उसको सिद्ध करने की उपयोगिता पर भी बल दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को कंपटीशन के लिए भी रसायन विज्ञान के रूप में एक अच्छा विषय चुनने की सलाह दी । उन्होंने सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक कर्मचारी बंधु व छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

Science and Engineering Research Board (SERB), Department of Science and Technology, Government of India grants 6-month international fellowship to Dr. Vinay K. Singh for research on cancer in Rennes University, France

05 October 2023

फ्रांस में रिसर्च के लिए चयनित होने पर प्रोफेसर विनय कुमार को दी समस्त स्टाफ ने बधाई

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी महाविद्यालय, में रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ विनय कुमार सिंह 'क्लिक-3 काइनेज के नवीनतम अवरोधकों का संश्लेषण और उनका जैविक मूल्यांकन'* विषय पर शोध कार्य हेतु फ्रांस के रेन विश्वविद्यालय में छह माह के रिसर्च प्रोजेक्ट पर जा रहे हैं। उनके शोध से कैंसर कोशिकाओं के व्यवहार को समझने में सहायता मिलेगी। इसके लिए उन्हें भारत सरकार के विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (सर्बं) द्वारा इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस योजना के अंतर्गत छह महीने की फेलोशिप दी गई है।

प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार ने डॉ सिंह की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि डॉ सिंह को शोध के लिए फेलोशिप मिलना महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इससे सभी प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी।

शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ महेंद्र कुमार, सचिव डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, आईक्यूएसी के संयोजक पीयूष त्रिपाठी, रसायन विज्ञान विभाग की डॉ विनीता गर्ग, अतुल तोमर, डॉ अवधेश कुमार सिंह, हरिदत्त शर्मा, डॉ संदीप कुमार सिंह, भवनीत सिंह बत्रा, नरेश कुमार, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, डॉ हरीश कसाना, शशि कपूर और श्याम प्रकाश आदि ने उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

डॉ विनय कुमार सिंह ने प्राचार्य तथा सभी प्राध्यापकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो योगेश कुमार त्यागी के नेतृत्व में शिक्षण तथा शोध को प्रोत्साहन के कारण ही यह अवसर प्राप्त हो पाया है।

One day seminar on the topic 'Applications of Infrared and nuclear magnetic resonance spectroscopy' organised by Dept. of Chemistry

06 October 2023

डी.एन. पीजी कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग में संगोष्ठी

गुलावठी संवाददाता।

डी.एन. पी,जी, कॉलेज गुलावठी के रसायन विज्ञान विभाग में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय एप्लीकेशंस आफ इंफ्रारेड एंड न्यूक्लियर मैग्नेटिक रिजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कॉपी रहा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह महाविद्यालय, अनूपशहर की प्रोफेसर चंद्रावती रहीं।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्पेक्ट्रोस्कॉपी के विषय में विस्तार से छात्र-छात्राओं को बताया। शोध के क्षेत्र में इस तकनीक का इस्तेमाल करने के संबंध में इसके महत्व को समझाया।

प्राचार्य डॉ. योगेश कुमार त्यागी ने विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को प्रयोगात्मक कार्य को निरंतर करने के लिए प्रोत्साहित किया। रिसर्च करने में उनको भविष्य में इससे मदद मिलेगी। रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ0 विनीता गर्ग ने बताया कि स्पेक्ट्रोस्कॉपी केमिस्ट्री की एक ऐसी नई तकनीक है जिससे किसी भी नए केमिकल कंपाउंड की संरचना के बारे में सटीकता से बताया जा सकता है।

श्री नरेश कुमार ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर, डॉक्टर महेंद्र कुमार, डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा, पीयूष त्रिपाठी, डॉ संदीप कुमार सिंह, भूपेंद्र कुमार, गोपाल सिंह, प्रज्ञा कंसल, कुमकुम, विशाल उपाध्याय, रिया आदि छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

किसान भवन पर चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को दी श्रद्धांजलि

सिसौली। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के दिवंगत अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 88वीं जयंती शुक्रवार को सिसौली समेत अन्य जगहों पर मनाई जा रही है। सिसौली में किसान भवन पर केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान समेत अन्य लोगों ने पहुंचकर स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। हवन में किसानों ने श्रद्धांजलि दी। भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत और गौरव टिकैत भी शामिल हुए। सुबह से ही यहां किसानों का आवागमन लगा हुआ है।

मेरठ में किसानों ने मनाई बाबा टिकैत की जयंती

बाबा महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती के मौके पर भारतीय किसान यूनियन की ओर से गन्ना भवन में हवन किया गया।

Two- Day Student Orientation Programme Organized for newly admitted students in First Semester

10-11 October 2023

देवनागरी महाविद्यालय में हुआ दो दिवसीय विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम

गौरव शर्मा उजाला हितेषी एक्सप्रेस गुलावठी।

देवनागरी महाविद्यालय, गुलावठी, बुलंदशहर में सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में दो दिवसीय विद्यार्थी प्रेरण कार्यक्रम दीक्षारंभ का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए कहा कि दीक्षारंभ को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत बी. ए. तथा बी-एस. सी. प्रथम सेमेस्टर में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन, परिचय तथा व्यक्तिगत कौशल विकास के लिए डिजाइन किया गया है। इसके माध्यम से वे अपने पाठ्यक्रम, क्रेडिट सिस्टम तथा महाविद्यालय के बारे में जान सकेंगे।

दीक्षारंभ की शुरूआत समाज सेवी वीरेंद्र सिंह लौर, महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार 'बाबा जी' तथा डी. एन. इंटर कॉलेज के प्रबंधक सुनील कुमार गोयल द्वारा दीप प्रज्वलन तथा पुष्पार्चन करने के पश्चात क्विज में विजेता टीम को पुरस्कृत करके की गई।

दीक्षारंभ के अंतर्गत सांस्कृतिक परिषद के मुख्य संयोजक डॉ पुष्पेंद्र

कुमार मिश्र ने स्लाइड शो के माध्यम से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, पाठ्यक्रम, प्राध्यापकों, समितियों तथा क्रेडिट सिस्टम आदि के बारे में प्रस्तुति दी । पुस्तकालय प्रभारी डॉ संदीप कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को पारंपरिक पुस्तकालय के साथ-साथ ई-पुस्तकालय के विभिन्न माध्यमों; जैसे-उत्तर प्रदेश डिजिटल लाइब्रेरी, हिंदी समय, ई-पाठशाला आदि से अवगत कराया। भवनीत सिंह बत्रा ने महाविद्यालय की वेबसाइट तथा छात्रवृत्ति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को समाज सेवा तथा व्यक्तित्व विकास के लिए एनएसएस तथा रोवर्स और रेंजर्स लेने की सलाह दी। महाविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर नरेश कुमार ने कहा कि जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व है, अतः महाविद्यालय में छात्रों को अनुशासन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह लौर ने अपने उद्बोधन में कहा कहा कि आज के समय में बेटे बेटियों में कोई भेद नहीं है। सकारात्मक सोच के साथ व्यक्तिगत और सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। अतिथियों का स्वागत तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र कल्याण अधिष्ठाता पीयूष त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर डॉ महेंद्र कुमार, अतुल तोमर, हरिदत्त शर्मा, संजीव गोयल , नवीन तोमर , डॉ हरीश कुमार कसाना, डॉ अमित कुमार, कृष्ण कुमार, श्याम प्रकाश तथा बीए तथा बीएससी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

Road Safety Awareness Programme organized in collaboration with Chaupal Foundation

21 October 2023

'दोपहिया चला रहे तो हेलमेट जरूर लगाएं'

संवाद सहयोगी, गुलावठी: डीएन-पीजी कालेज में चौपाल फाउंडेशन बुलंदशहर के तत्वावधान में आयोजिदत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसपी सिटी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने लोगों को यातायात के नियमों की जानकारी दी। बताया कि वाहन को चलाते हुए ध्वनि प्रदूषण या वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखें। किसी भी घायल की सहायता करने के लिए तुरंत चिकित्सकीय मदद करें।

किसी घायल या दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को देखकर वीडियो ना बनाएं। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने तथा चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की दशा में डायल 112 तथा 1090 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। पुलिस उनकी सहायता के लिए हमेशा तत्पर है। सीओ विकास चौहान ने कहा कि केवल पुलिस से बचने के लिए हेलमेट का प्रयोग ना करें। प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण मानवीय त्रुटि है। यांत्रिक गड़बड़ियों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है। ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। संचालन सांस्कृतिक परिषद के मुख्य संयोजक डा.पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता पीयूष त्रिपाठी ने सभी का आभार जताया। कोतवाल जयकरण सिंह, अतुल तोमर, महेंद्र कुमार, अवधेश कुमार सिंह, विनीता गर्ग, हरीश कसाना आदि रहे।

गुलावठी के डीएनपीजी कालेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते एसपी सिटी सुरेंद्रनाथ तिवारी● सौ. कालेज

College observes 'Vigilance Awareness Week-2023' with Integrity Pledge

30 October 2023

भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें : प्राचार्य प्रोफेसर योगेश कुमार त्यागी

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी महाविद्यालय में आयोजित केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा परिकल्पित भ्रष्टाचार का विरोध करें राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे विषय पर पहले दिन भ्रष्टाचार विरोधी शपथ दिलाई गई। यह शपथ प्राचार्य प्रो योगेश कुमार त्यागी द्वारा सभी शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को दिलाई गई। कार्यक्रम के समन्वयक भवनीत सिंह बत्रा ने बताया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह में युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और बड़े पैमाने पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कॉलेज द्वारा विभिन्न कार्यक्रम और वेबिनार निर्धारित किए गए हैं। विषय के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर अतुल तोमर, डॉ विनीता गर्ग, डॉ पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, पीयूष त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, डॉ संदीप कुमार सिंह, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, हरीश कसाना, शशि कपूर, श्याम प्रकाश आदि ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली।

छात्रों को भ्रष्टाचार विरोधी शपथ दिलाई

गुलावठी। डीएनपीजी कॉलेज में सोमवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें विषय पर पहले दिन भ्रष्टाचार विरोधी शपथ दिलाई गई। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने सभी शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम के समन्वयक भवनीत सिंह बत्रा ने बताया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह में युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और बड़े पैमाने पर जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कॉलेज द्वारा विभिन्न कार्यक्रम और वेबीनार निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विषय के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सोशल मीडिया का भी व्यापक उपयोग किया जा रहा है। पीयूष त्रिपाठी ने बताया कि केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देश पर 5 नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह चलाया जाएगा। इस अवसर पर अतुल तोमर, डॉ. विनीता गर्ग, डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, पीयूष त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, डॉ. संदीप कुमार सिंह, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, हरीश कसाना, शशि कपूर, श्याम प्रकाश आदि मौजूद रहे। संवाद

One day seminar organized on the occasion of 'National Unity Day', the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel

31-October-2023

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर एक एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

गुलावठी (सैय्यद मजहर)। देवनागरी महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एक दिवसीय सगोष्ठी का आयोजन किया गया! इस ससंगोष्ठी का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी तथा मुख्य वक्ता डॉ. दीपक कुमार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य अपने देश की महान विभूतियों एवं उनके कार्यों से विद्यार्थियों को रूबरू कराना है।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. दीपक कुमार ने बताया कि इतिहास विषय को इसलिए पढ़ना चाहिए क्योंकि इससे हम अपनी गलतियों से सबक सीख सकते हैं। उन्होंने बताया कि 3 जून, 1947 को भारत को दो भागों में विभाजित कर दिया गया और रियासतों को भारत या पाकिस्तान या स्वतंत्र रहने की छूट दी गई। इस स्थित पर सरदार वल्लभ भाई पटेल की सूझबूझ एवं दूरदर्शिता के कारण लगभग 565 रियासतों का भारत में विलय हुआ। उन्होंने जूनागढ़, हैदराबाद, जम्मू एवं कश्मीर, त्रावनकोर, जयपुर तथा भोपाल रियासतों के भारत संघ में विलय की प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन किया। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. हरीश कुमार कसाना ने सभी का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर सह संयोजक डॉ संदीप कुमार सिंह, डॉ. महेंद्र कुमार, अतुल तोमर, डॉ. विनीता गर्ग, पीयूष त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, भवनीत सिंह बत्रा, नवीन तोमर, कृष्ण कुमार, शशि कपूर, श्याम प्रकाश, डॉ. अमित कुमार, आँचल रानी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

One-day National Webinar on "Deepening crisis of biodiversity in the Himalayan ecosystem" organized in college in association with Mangal Bhoomi Foundation, Banda

02-November-2023

'हिमालय हमारे जीवन का आधार'

संवाद सहयोगी, गुलावठी (बुलंदशहर) : देवनागरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय व मंगलभूमि फाउंडेशन-बांदा के संयुक्त तत्वावधान में 'हिमालयन पारिस्थितिकी तंत्र में जैव विविधता का गहराता संकट' विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पर्यावरणविद् व पद्मभूषण डा. अनिल जोशी ने कहा

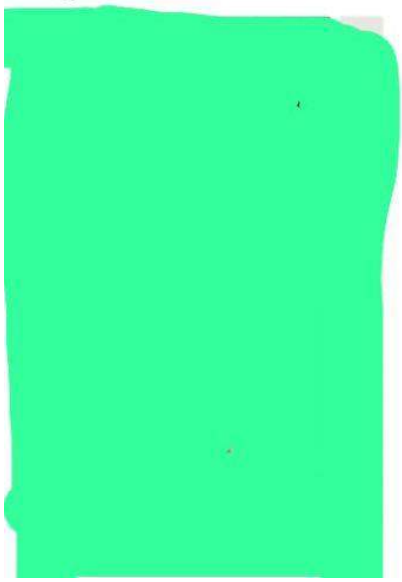

'हिमालयन पारिस्थितिकी तंत्र में जैव विविधता का गहराता संकट' विषय पर व्यक्त किए विचार

कि हिमालय हमारे जीवन का आधार है।

डा. जोशी ने कहा कि पहाड़ों से ही प्राणवायु, जल और वनस्पतियां प्राप्त होती हैं। अनियोजित विकास और विलासितापूर्ण जीवनशैली से पारिस्थितिकी व जैव विविधता पर संकट है। वर्तमान में जंगल, जमीन व नदियों के रक्षक ही अधिक दंश झेल रहे हैं। हिमालय पर नए शोध होने चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग के कारण जीवों और वनस्पतियों की कई प्रजातियां विलुप्त हो गई हैं और कई विलुप्त होने के कगार पर हैं। हिमखंड बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। इससे स्थानीय जैव विविधता के साथ हमारी जीवन शैली भी प्रभावित होती है। एक ओर जहां हम आर्थिक दृष्टि से विश्व के तीसरे पायदान पर खड़े हैं तो वहीं कार्बन उत्सर्जन में भी तीसरे स्थान पर हैं। वर्तमान में हवा, मिट्टी, जंगल और पानी को बचाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय-सहारनपुर के कुलपति प्रोफेसर एचएस सिंह ने कहा कि हिमालय की उत्पत्ति प्लेट टेक्टोनिक्स से हुई है। यहां पर जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की ऐसी विविधता पाई जाती है जो अन्यत्र दुर्लभ है। डीएन पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. योगेश कुमार त्यागी ने कहा कि जैव विविधता तथा प्रकृति का संरक्षण करके ही मानव कल्याण के उद्देश्य को पूरा किया जा सकता है। कार्यक्रम संयोजक पीयूष त्रिपाठी, डा. पुष्पेंद्र कुमार मिश्र, भवनीत सिंह बत्रा आदि प्राध्यापकों के अलावा छात्र-छात्राएं तथा कई राज्यों के प्राध्यापक, पर्यावरण कार्यकर्ता, शोधार्थी और विद्यार्थी जुड़े रहे।